## आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सीका) समिति की दूसरी बैठक दिनांक 30.10.2023 का कार्यवृत्त

आज दिनांक 30/10/2023 को कुलपति जी की अध्यक्षता में **आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सीका)** समिति की द्वितीय बैठक सीका सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया –

| | |
|---|---|
| 1- प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी, कुलपति उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | अध्यक्ष |
| 2- प्रोफेसर उमा कांजीलाल, उप कुलपति, इग्नू , नई दिल्ली **(ऑनलाइन प्रतिभाग)** | बाह्य सदस्य |
| 3- प्रोफेसर एम0 के0 सलूजा,पूर्व निदेशक, कृषि विद्याशाखा,इग्नू,नई दिल्ली **(ऑनलाइन प्रतिभाग)** | बाह्य सदस्य |
| 4- प्रोफेसर पी0डी0 पन्त, कुलसचिव / निदेशक, अकादमिक, उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 5- प्रोफेसर रेनु प्रकाश, निदेशक, मानविकी, उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 6- डॉ आशुतोष भट्ट, वरिष्ठ प्राध्यापक , उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 7- डॉ0 एच0 सी0 जोशी, वरिष्ठ प्राध्यापक, उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 8- डॉ0 गगन सिंह, एच0ओ0डी0 , उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 9- डॉ0 एम0 एम0 जोशी, एच0ओ0डी0 , टूरिज्य विभाग,उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 10-डॉ0 डिगर सिंह, एच0ओ0डी0, ऐजुकेशन, उ0 मु0 वि0 वि0,हल्द्वानी | सदस्य |
| 11-डॉ0 अरविन्द भट्ट, एच0 ओ0 डी0 , पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान | सदस्य |
| 12-डॉ0 सुमित प्रसाद, | सदस्य |
| 13-डॉ0 शालिनी सिंह | सदस्य |
| 14-डॉ0 शालिनी चौधरी | सदस्य |
| 15-प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे ,निदेशक, सीका | सदस्य सचिव |

**सर्वप्रथम अध्यक्ष** महोदय की अनुमति से निदेशक,सीका (सदस्य सचिव ) द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया और सदस्यों के समक्ष कार्यसूची को प्रस्तुत किया गया और निम्नवत निर्णय लिए गए-

**प्रस्ताव संख्या 2.1- सीका की बैठक दिनांक 21/11/2022 के कार्यवृत्त की पुष्टि।**

**निर्णय** - सीका समिति सर्वसम्मति से दिनांक 21/11/2022 को सम्पन्न सीका समिति की प्रथम बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

**स्ताव संख्या 2.2 - अकादमिक सत्र 2022-23 हेतु सीका द्वारा तैयार विश्वविद्यालय की वार्षिक आंख्या (Annual Report) पर विचार व अनुमोदन।**

**निर्णय** - सीका समिति सत्र 2022-23 हेतु तैयार की गई वार्षिक आख्या से अवगत हुई और सर्वसम्मति से इसकी टंकित प्रति यू0जी0सी0-डेब को भेजने पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

**प्रस्ताव संख्या 2.3- अकादमिक सत्र 2022-23 हेतु नैक पोर्टल में प्रेषित किए जाने के लिए सीका द्वारा तैयार की जा रही AQAR पर विचार एवं अनुमोदन।**

निदेशक सीका द्वारा समिति के संग्यान में लाया गया कि विश्वविद्यालय की AQAR का 95% कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं 05% सूचनाएँ परीक्षा परिणामों संबंधी आंकड़ों से जुड़ी हैं। परीक्षा अनुभाग से आकड़े मिलते ही AQAR को अद्यतन कर दिया जाएगा। AQAR का प्रारम्भिक प्रारूप समिति के समक्ष रखा गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा बाह्य सदस्यों से विश्वविद्यालय की AQAR पर उनकी राय एवं सुझाव मांगे गये।

**निर्णय-** सदस्यों द्वारा प्रारम्भिक प्रारूप को स्वीकार किया गया और बाह्य सदस्यों ने अध्यक्ष महोदय के प्रस्ताव अपने सुझाव 4 दिनों के अंदर प्रेषित करने पर सहमति दी।

**प्रस्ताव संख्या 2.4- सत्र 2023-24 हेतु सीका की प्रस्तावित वार्षिक कार्य योजना पर विचार एवं अनुमोदन।**

निदेशक सीका द्वारा समिति के समक्ष सीका की सत्र 2023-24 हेतु वार्षिक कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। समिति ने **प्रस्तावित वार्षिक कार्य योजना** पर विस्तृत चर्चा की। बाह्य सदस्यों द्वारा कार्य योजना की प्रशंसा की गई।

**निर्णय** - वार्षिक कार्य योजना पर बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य प्रोफेसर एम0के0 सलूजा द्वारा Values and Best Practices के अन्तर्गत ग्रीन कैम्पस को भी समाहित करने का सुझाव दिया गया।

अध्यक्ष महोदय द्वारा बाहरी राज्य के छात्रों हेतु पाठय पुस्तक अपने स्टडी सेंटरों से लिए जाने एवं ऐसे छात्र जो eLearning सामग्री का विकल्प चुनने पर फीस में 15 प्रतिशत की छूट दिए जाने का प्रस्ताव रखा गया जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की।

अध्यक्ष महोदय द्वारा पुस्तकालय प्रभारी को साल में दो बार पुस्तकालय समिति की बैठक करने का सुझाव दिया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि पूर्व छात्र प्रकोष्ठ की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जायें। विश्वविद्यालय के आदर्शा अध्ययन केन्द्रों हल्द्वानी एवं देहरादून में एसी बैठकें आयोजित किये जाने पर सहमति दी गई।

**प्रस्ताव सं0 2.5 - सहायक प्राध्यापकों (ए0सी0) के कार्यों के आंकलन हेतु निर्धारित मापदंण्डों पर विचार एवं अनुमोदन।**

निदेशक, सीका द्वारा समिति को अवगत कराया गया वर्तमान में विश्वविद्यालय में 170 संकाय सदस्य कार्यरत है इनमें से सहायक प्राध्यापकों (ए0सी0) के कार्यों के आंकलन हेतु कार्य परिषद द्वारा मानदंडों केनिर्धारण का निर्देश दिया गया था। इस हेतु सीका ने नेक (NAAC) द्वारा निर्धारित 7 मापदंड (Criteria) को आधार बनाते हुए 20 बिन्दुओं पर मानक निर्धारित किए जिन्हें समिति के विचार हेतु प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की गई।

**निर्णय-** समिति द्वारा सभी मापदण्डों की समीक्षा की गई एवं बाह्य सदस्य प्रोफेसर उमा कांजीलाल द्वारा सभी कार्यो हेतु अलग-अलग अंक निर्धारित करने का सुझाव दिया गया। यह भी निर्णय लिया

गया कि कतिपय मापदण्डों पर कैपिंग की व्यवस्था की जाय जिससे विभिन्न कार्यों में संकाय सदस्यों की भूमिका को सुनिश्चित किया जा सके। समिति के सभी सदस्यों द्वारा इस प्रस्ताव पर सहमति दी गई।

**प्रस्ताव सं0 2.6 - सीका द्वारा आटोमेशन हेतु उठाये गये कदमों से सदस्यों को अवगत कराना।**

निदेशक, सीका द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय ऑटोमेशन केन्द्रित कार्यों को निरन्तर कर रहा है जिसमें वर्तमान में ही आर0एस0डी0 अनुभाग में स्टडी सेन्टर खोलने हेतु ऑनलाईन प्रक्रिया लागू की गयी है। इसी तरह अध्ययन केन्द्रों में भुगतान प्रणाली विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया सहित परीक्षा अनुभाग में छात्र सहायता सेवाओं में औटोमेशन हेतु कदम उठाये जा रहे हैं।

**निर्णय** - अध्यक्ष महोदय एवं बाह्य सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि कुलसचिव और वित्त अनुभागों में भी विभिन प्रक्रियाओं के आटोमेशन को बढावा दिया जाये और इस दिशा में प्राथमिकता के स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। इस पर समिति द्वारा अपनी सहमति दी गई।

प्रोफेसर उमा कान्जीलाल का सुझाव था कि विश्वविद्यालय में डाटा प्रबंधन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को 'समर्थ' पोर्टल के माध्यम से संचालित किये जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए 'समर्थ' के संचालकों से वार्ता कर IGNOU की भॉति Customized Interface विकसित किये जाने का प्रयास किया जाय ताकि राष्ट्रीय स्तर पर संस्थाओं के मध्य एकरूपता आ सके।

प्रोफेसर कान्जीलाल का यह भी सुझाव था कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को अन्य विश्वविद्यालय के कतिपय लोकप्रिय कार्यक्रमों को भी अंगीकृत करना चाहिए। इससे भविष्य मैं क्रेडिट स्थानांतरण प्रक्रिया सरल बनाने में मदद मिलेगी। में सुविधा हो सकेगी।

उनका यह भी सुझाव था कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को 'स्वंय' और 'स्वंयप्रभा' हेतु कार्यक्रम निर्मित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। प्रोफेसर कांजीलाल के सुझावों को सर्वसम्मति से समाहित करने पर बैठक में सहमति बनी।

समिति का यह विशेष सुझाव था कि **सूचना, संचार प्रौद्योगिकी** को बढावा दिये जाने के लिए **ICT** संसाधनों को सुदृड किये जाने के लिए विश्वविद्यालय को सक्रियता से कार्य करना चाहिए। सदस्यों का मत था कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध **ICT** सुविधाओं की समीक्षा कर ली जाय और **ICT Enabled Education** के लिए आवश्यक साफ्टवेयर, उपकरण व अन्य संसाधन उपलब्ध करवाए जाने के लिए विशेष प्रयास किये जाने चाहिये। सभी सुझावों पर अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति दी गई।

**प्रस्ताव सं0 2.7 - संकाय सदस्यों के क्षमता संवर्धन हेतु आयोजित कार्यशाला से समिति को अवगत कराना।**

निदेशक, सीका द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि अक्टूबर माह में सीका द्वारा एक 7 दिवसीय FDP का आयोजन किया गया था। आगामी माहों में ऑनलाइन कार्यक्रम विकसित किए जाने हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन प्रस्तावित है। उक्त के अतिरिक्त कार्मिकों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास हेतु कार्यक्रम संचालित किए जाने की कार्य योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

**निर्णय-** समिति द्वारा संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों हेतु समय समय पर गुणवत्ता संवर्धन हेतु कार्यक्रम संचालित किए जाने पर अपनी सहमति दी।

**प्रस्ताव सं0 2.8 - विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली में सुधार और गुणवत्ता मानक सुनिश्चित किये जाने हेतु सीका द्वारा विभिन्न विभागों के साथ मिलकर आयोजत की गयी कार्यशालाओं से समिति को अवगत कराना।**

निदेशक, सीका द्वारा समिति को यह अवगत कराया गया कि सीका द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर निरन्तर कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है और भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा।

**निर्णय -** समिति द्वारा इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये सहमति व्यक्त की तथा कार्यशालाओं की सतत् योजना बनाने का सुझाव दिया।

**प्रस्ताव सं0 2.9 - अध्यक्ष महोदय की अनुमति से किसी अन्य बिन्दु पर विचार एवं अनुमोदन।**

**निर्णय-** अध्यक्ष महोदय द्वारा विश्वविद्यालय के Outreach कार्यक्रमों की संख्या बढाये जाने और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक स्तर पर एमओयू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। उक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय द्वारा Research and Innovation के अन्तर्गत प्राध्यापकों को प्रोजेक्ट हेतु आवेदन किए जाने पर बल दिया साथ वर्चुअल प्रयोगशाला जैसे प्रयोगों को बढावा देने और विदेशी विश्वविद्यालयों में फेलोशिप के लिए संकाय सदस्यों को और अधिक कार्य करने का सुझाव दिया गया। उक्त प्रस्ताव पर समिति द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

अन्त में अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

**सदस्य सचिव,**
**सीका समिति**

प्रतिहस्ताक्षरित
कुलपति